



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 494] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 15, 1989/भाद्र 24, 1911  
No. 494] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER, 15, 1989/BHADRA 24, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1989

सं. 55/89 (सीमाशुल्क एनटी)

सं. का. नि. 836(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 251/83-सीमाशुल्क, तारीख 27 अगस्त, 1983 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्।

उक्त अधिसूचना के नीचे दी गई सारणी में, प्रद संख्या 1 के खण्ड (ग) में,—

- (क) स्तम्भ 1 में, "नावाशेवा पोर्ट" शब्द के स्थान पर "जवाहरलाल नेहरू पोर्ट" शब्द रखे जाएंगे;
- (ख) स्तम्भ 2, 3 और 4 में, "नावाशेवा" शब्द जहाँ जहाँ आता है, उसके स्थान पर "जवाहरलाल नेहरू पोर्ट" शब्द रखे जाएंगे।

[फा. नं. 437/3/89-सां. 4

पा. नं. जैन, प्रवर सचिव]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 15th September, 1989

NO. 55/89-CUSTOMS (N.T.)

G.S.R. 836 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 251/83-Customs, dated the 27th August, 1983 namely :—

In the Table below the said notification, in clause (c) of item No. 1. —

- (a) in column 1, for the words "The Port of Nhava Sheva" the word "The Jawaharlal Nehru Port", shall be substituted ;
- (b) in columns 2, 3 and 4, for the words "Nhava Sheva", wherever the occur, the words "Jawaharlal Nehru Port" shall be substituted.

[F. No. 437/3/89-CUS-IV

P. K. JAIN, Under Secy]